श्रम विभाग

ग्रादेश

दिनांक 3 अन्त्वर, 1985

सं. ग्रो.वि./एफ.डी./67-85/41285.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. (1) सचिव, हरियाणा राज्य विजली बोर्ड, चण्डीगढ़; (2) चीफ इंजिनियर थर्मल प्लांट. फरीदाबाद, के श्रमिकों तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फ़रीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादप्रस्त मामले हैं, अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामले हैं, न्यायनिर्णय एवं पंचाट छ: मांस में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्री मनवार सिंह रावत बोग्रायलर एटेंडेंट वरिष्ठता के ग्राधार पर पक्का होने ग्रीर बोग्रायलर ग्रपरेटर के पद पर लगने के हकदार हैं? यदि हां, तो किस विवरण से?

दिनांक 15 अक्तूबर, 1985

स. ग्रो. वि./पानी/82-85/42325.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. एम. डी. हरियाणा राज्य माईनर इरीगेशन ट्रयूबबैल कारपोरेशन, चण्डीगढ़,

(2) कार्यकारी अभियन्ता, हरियाणा राज्य माईनर इरीगेशन कारपोरेशन पम्प वर्कशाप, करनाल, श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चुंकि राज्यपाल, हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उपत अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अभिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामले हैं, अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामले हैं, न्यायनिर्णय एवं पंचाट छ: मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्रमिक श्री टाहर सिंह टीमेंट वरिष्ठता के ग्राधार पर जिस तिथि से उससे कनिष्ठ कर्मचारी पदोन्नत किये गये हैं उस तिथि से पदोन्नति का हकदार है ? अदि हो तो किस विवरण से ?

स. स्रो. वि./पानी 181-85/42332--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. एम. डी. हरियणा माईनर इरीगेणन ट्यूबवैल कारपोरेशन चण्डीगढ़।

(2) कार्यकारी हरियाणा राज्य माईनर इरीगेशन कारपोरेशन पम्प वर्कशाप, करनाल के श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि राज्यपाल, हरियाणा, इस विवाद को न्यायनिर्णाय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;*

इसलिए ग्रब, ग्रौँद्योगिक विवाद ग्रीधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिंदतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7-क के ग्रीधीन गठित ग्रीद्योगिक प्राधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामले हैं, ग्रंथवा विवाद से सुसंगृत या सम्बन्धित मामले हैं, न्यायिनिर्णय एवं पंचाट छ: मास में देने हेत निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्रमिक श्री महाबीर सिंह टीमेट वरिष्ठता के ग्राधार पर जिस तिथि से उससे कनिष्ठ कर्मचारी पदोन्नत किये गये हैं उस तिथि से पदोन्नति का हकदार है ? यदि हां तो किस विवरण से ?